No. of Printed Pages/Questions:3 /5

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test - II (2023 – 2024)

Class - IX **MM:20**

Subject: HINDI **Time: 1 Hrs.**

Name: _____ Roll No.:_____

General Instructions: *All questions are compulsory*

प्रश्न 1 नीचे दिए गए अपठित पद्यांश को ध्यान से पढिए और उनपर आधारित प्रश्नों के उत्तर का चयन दिए गए विकल्प में से कीजिए- **1X4=4**

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रूका नहीं
जो हार देख झुका नहीं
जिसने प्रणेय पाथेय माना जीत उसकी रही
सच हम नहीं, सच तुम नहीं
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे
जो है जहाँ चुपचाप,अपने आप से लड़ता रहे
जो भी परिस्थितियाँ मिलें
काँटे चुभे कलियाँ खिलें
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं,सच तुम नहीं
हमने रचा आओ हमीं तोड़ दे इस प्यार को।
यह क्या मिलन, मिलना वही जो मोड़ दे मँझधार को।
जो साथ फूलों के चले,
जो ढाल पाते ही ढले
यह ज़िंदगी क्या ज़िंदगी जो सिर्फ़ पानी-सी वही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं
अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।

आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं।
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।
सच हम नहीं,सच तुम नहीं।

(i) पद्यांश की पंक्तियाँ हमें क्या संदेश देती है?

(अ) निरंतर संघर्ष करते रहना। (ब) कष्टों से बचना।

(स) भयभीत होकर लक्ष्य का त्याग करना। (द) लक्ष्य प्राप्ति के लिए समझौता करना।

(ii) 'रिक्त स्थान की पूर्ति सही विकल्प से कीजिए-

जो संघर्ष करने से पीछे हट गया, उसका जीवन----------माना गया है-

(अ) मरे हुए के समान (ब) सबसे अच्छा

(स) पशुओं के समान (द) फूलों के समान

(iii) जीत उसको मिलती है-

(अ) जो काम करता है। (ब) जो रूकता हुआ चलता रहा।

(स) जिसने लक्ष्य को मिलन का रास्ता बना लिया। (द) जो हँसता हुआ चलता रहा।

(iv) 'अपने आप से लड़ना' का तात्पर्य है-

(अ) अपने जान-पहचान वालों से लड़ना (ब) परिस्थितियों से भागना

(स) अपने मन में लड़ाई करना (द) परिस्थितियों का साहस से सामना करना

प्रश्न 2 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए- 1X4=4

(i) 'छोरटी है गोरटी या चोरटी अहीर की' में अलंकार है-

(अ) अनुप्रास (ब) यमक

(स) श्लेष (द) उपमा

(ii) यमक अलंकार का उदाहरण नहीं है-

(अ) कहै कवि बेनी बेनी ब्याल की चुराई लीन्ही। (ब) काली घटा का घमंड घटा ।

(स) मूरति मधुर मनोहर देखी। (द) तीन बेर खाती थीं वो तीन बेर खाती हैं।

(iii) रूपक अलंकार का उदाहरण है-

(अ) सोई संत सुजान (ब) मानसरोवर सुभर जल,हंसा केलि कराहिं

(स) वेदना बोझ वाली-सी (द) हर लो हे हर मेरी पीर

(iv) 'हरिपद कोमल कमल-से' में अलंकार है-

(अ) अनुप्रास (ब) यमक

(स) उपमा (द) रूपक

प्रश्न 3 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए- 1X2=2

(i) लेखक को प्रेमचंद की मुस्कान कैसी जान पड़ती थी?

(अ) प्रेम और वात्सल्य से भरी (ब) विचित्र और व्यंग्य से भरी

(स) अहंकार और दिखावे से भरी (द) गहरे विषाद और खिन्नता से भरी

(ii) 'ग्रामश्री' कविता में गंगा की रेत का किस रूप में चित्रण किया गया है?

(अ) हवा में उड़ते आड़े-तिरछे आँचल के समान (ब) आड़ी-तिरछी डोरियों के समान

(स) रेंगते साँप के समान (द) नदी की लहरों के समान

प्रश्न 4 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों का उत्तर दो से तीन पंक्तियों में लिखिए- 2X3=6

(क) गंदे-से-गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है- इस पंक्ति में छिपा व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) लेखक के अनुसार प्रेमचंद के जूते फटने का क्या कारण था?

(ग) पाठ के अनुसार बताइए कि प्रेमचंद के व्यक्तित्व की क्या विशेषताएँ थीं?

प्रश्न 5 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों का उत्तर दो से तीन पंक्तियों में लिखिए- 2X2=4

(क) वसंत ऋतु में प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने गाँव को 'हरता जन-मन' क्यों कहा है?